भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
18.12.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 3905 का उत्तर

उत्तर प्रदेश में रेल की चल रही परियोजनाएं/नई रेल लाइनें बिछाना

3905. डॉ. राजकुमार सांगवान:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उत्तर प्रदेश में नई रेल लाइनें बिछाने के लिए चल रही रेलवे परियोजनाओं और सर्वेक्षणों की स्थिति क्या है;
(ख) उक्त प्रत्येक परियोजना और सर्वेक्षण को पूरा करने के लिए क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया है;
(ग) प्रस्तावित पानीपत-दरौला-हस्तिनापुर-बिजनौर रेलवे लाइन के कार्य का ब्यौरा क्या है;
(घ) प्रत्येक परियोजना पर अब तक कितनी धनराशि आवंटित और उपयोग की गई है; और
(ङ) सरकार द्वारा इन परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): रेल परियोजनाओं के सर्वेक्षण/स्वीकृति/निष्पादन क्षेत्रीय रेल-वार किए जाते हैं न कि राज्य-वार/जिला-वार/निर्वाचन क्षेत्र-वार क्योंकि रेल परियोजनाएं राज्यों की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं। रेल परियोजनाओं को लाभप्रदता, यातायात अनुमानों, अंतिम छोर संपर्कता, मिसिंग लिंक और वैकल्पिक मार्गों, संकुलित/संतृप्त लाइनों के संवर्धन, राज्य सरकारों, केन्द्रीय मंत्रालयों, संसद सदस्यों, अन्य जन प्रतिनिधियों द्वारा की गई मांगों, रेलवे की अपनी

परिचालनिक आवश्यकताओं, सामाजिक-आर्थिक महत्व आदि के आधार पर स्वीकृत किया जाता है, जो चालू परियोजनाओं के थ्रोफॉरवर्ड और निधियों की समग्र उपलब्धता पर निर्भर करता है।

उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णत:/अंशतः पड़ने वाली रेल अवसंरचना परियोजनाएं भारतीय रेल के उत्तर रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे, पूर्व मध्य रेलवे और पश्चिम मध्य रेलवे जोनों के अंतर्गत आती हैं। लागत, व्यय और परिव्यय सहित रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेल-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया गया है।

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णत:/अंशतः पड़ने वाली 92,001 करोड़ रु. की लागत की 5,874 कि.मी. कुल लंबाई वाली 68 रेल परियोजनाएं (16 नई लाइन, 03 आमान परिवर्तन और 49 दोहरीकरण) योजना और कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं, जिनमें से 1,313 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक 28,366 करोड़ रु. का व्यय किया जा चुका है। कार्य की संक्षेप में स्थिति निम्नानुसार है:

योजना शीर्ष	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (में .मी.कि)	कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2024 तक व्यय (करोड़ रु.में)
नई लाइन	16	1740	297	8672
आमान परिवर्तन	3	261	0	26
दोहरीकरणमल्टीट्रैकिंग/	49	3873	1016	19668
कुल	68	5874	1313	28366

उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णत:/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन का ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	1,109 करोड़ रु. प्रति वर्ष
2024-25	19,848 करोड़ रु (17 गुना से अधिक)

वर्ष 2009-14 और 2014-24 के दौरान, उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णत:/अंशतः पड़ने वाले नए रेलपथों को कमीशन करने/बिछाने का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	966 कि.मी.	199.2 कि.मी. प्रति वर्ष
2014-24	4,902 कि.मी.	490.2 कि.मी. प्रति वर्ष (2 गुना से अधिक)

रेल संपर्कता को बेहतर बनाने के लिए पिछले तीन वर्षों और चालू वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 1819 किलोमीटर कुल लंबाई के 33 नई लाइन के सर्वेक्षणों को स्वीकृति प्रदान की गई है।

पानीपत, दौराला और बिजनौर मौजूदा भारतीय रेल नेटवर्क पर दिल्ली के रास्ते जुड़े हुए हैं। इसके अलावा, मेरठ-पानीपत नई लाइन (104 किलोमीटर) और मेरठ-हस्तिनापुर-बिजनौर (63.5 किलोमीटर) नई लाइन के सर्वेक्षणों को स्वीकृति प्रदान की गई है।

रेल परियोजनाओं के त्वरित अनुमोदन और कार्यान्वयन के लिए सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों में (i) गति शक्ति इकाइयों की स्थापना करना (ii) परियोजनाओं का प्राथमिकीकरण (iii) प्राथमिकता वाली परियोजनाओं हेतु निधियों के आवंटन में पर्याप्त वृद्धि करना (iv) फील्ड स्तर पर शक्तियों का प्रत्यायोजन (v) विभिन्न स्तरों पर परियोजना की प्रगति की गहन निगरानी, और (vi) शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वानिकी एवं वन्यजीवन संबंधी मंजूरी हेतु राज्य सरकारों और संबंधित प्राधिकारियों के साथ नियमित रूप से अनुवर्ती कार्रवाई करना और परियोजनाओं से संबंधित अन्य मामलों का समाधान करना शामिल है। इससे वर्ष 2014 से कमीशनिंग की दर में पर्याप्त वृद्धि हुई है।

*****